भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1157

दिनांक 30 जुलाई, 2024

उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों के उपयोग का संवर्धन

1157. श्री बैन्नी बेहनन:
श्री के. राधाकृष्णन:

क्या **कृषि और किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) छोटे और सीमांत किसानों के बीच उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों और पद्धतियों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों का ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या कृषि अनुसंधान और विकास में निवेश बढ़ाने की कोई योजना है; और
(ग) यदि हां, तो मुख्य केंद्रक क्षेत्रों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री
(श्री भागीरथ चौधरी)

(क) : सरकार द्वारा उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों और पद्धतियों को बढ़ावा दिया जाता है। इनमें शामिल हैं: किसान ड्रोन, जलवायु अनुकूल किस्में, एकीकृत कृषि प्रणाली मॉडल, सूक्ष्म सिंचाई, परिशुद्ध कृषि, मृदा सेंसर, जैव प्रबलित किस्में तथा डिजिटल मार्केटिंग। इन प्रौद्योगिकियों को विभिन्न स्कीमों जैसे कि राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, टिकाऊ कृषि के लिए राष्ट्रीय मिशन, नमो ड्रोन दीदी, कृषियोन्नति योजना, कृषि यांत्रिकीकरण पर उप-मिशन तथा प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना के माध्यम से लघु एवं सीमांत किसानों के बीच बढ़ावा दिया जाता है। इन प्रौद्योगिकियों को अपनाए जाने को प्रोत्साहित करने और इसमें बढ़ोतरी करने के लिए सरकार ने देश में 731 कृषि विज्ञान केंद्रों का एक नेटवर्क बनाया है। कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों और पद्धतियों का प्रदर्शन किया जाता है और इन पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है तथा साथ ही किसानों के क्षमता निर्माण में भी मदद की जाती है।

(ख) एवं (ग): जी, हाँ। जैसा कि बजट 2024-25 में परिलक्षित है, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत कृषि अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) के लिए प्रावधानों में निम्न प्रकार बढ़ोतरी की गई है:-

वर्ष	रु. (करोड़ में)
2022-23	8658.89
2023-24	9876.60
2024-25	9941.09

कृषि अनुसंधान एवं विकास के प्रमुख फोकस क्षेत्र हैं :

- किस्मों एवं जलवायु स्मार्ट पद्धतियों तथा टूल्स के माध्यम से भारतीय कृषि में जलवायु अनुकूलता का विकास करना;
- तिलहन एवं दलहन किस्मों के विकास पर विशेष फोकस;
- प्राकृतिक संसाधनों (भूमि एवं जल) का संरक्षण एवं प्रबंधन;
- भारतीय जनसंख्या में अल्प-पोषण के मुद्दे का मुकाबला करने के लिए जैव प्रबलित किस्मों का विकास;
- पोषणिक एवं खाद्य सुरक्षा के साथ-साथ टिकाऊ विकास के लिए खेत फसलों, बागवानी, मत्स्य पालन तथा पशुधन क्षेत्र जैसे प्रमुख क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी आधारित सहयोग;
- टिकाऊ कृषि विकास के लिए नवोन्मेषी प्रौद्योगिकियों के साथ प्रवर्धित कृषि उत्पादन एवं कटाई-उपरांत यांत्रिकीकरण;
- कृषि शिक्षा, प्रबंधन एवं समाज विज्ञान को सुदृढ़ बनाना;
- प्रौद्योगिकी परीक्षण, प्रदर्शन एवं किसानों के खेत तक प्रसार हेतु कृषि विज्ञान केंद्रों का सुदृढ़ीकरण;

*****